सावन की झड़ और भोले की पूजा

RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 9 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 5 अगस्त 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

भूस्खलन और पहाड़ दरकने से मची है आफत

आपदा से निपटने में केन्द्र करेगा उत्तराखण्ड की मदद

सावन में भोले बाबा की पूजा के लिये श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और बरसात की झड़ लगातार बनी रही है। पर्वतीय प्रदेश उत्तराखण्ड के प्रसिद्ध देवालयों में मेलों के अलावा विशेष पूजा अर्चना का दौर जारी है। मूसलाधार बर्षा और भूस्खलन की घटनाओं के बावजूद दूर-दराज के आस्थावना जगह-जगह अपनी ओर से आवागमन कर रहे हैं। प्रशासन की ओर से बार-बार अलर्ट का अलार्म लगाया जा रहा है ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

इस बीच केन्द्र ने कहा है कि आपदा से निपटने में उत्तराखण्ड की मदद होगी। लोकसभा में पेश बजट में उत्तराखण्ड के लिए उम्मीद बन चुकी है। भूस्खलन और राहत-बचाव के लिऐ प्रदेश को केन्द्र से सहायता मिलेगी। आपदा राहत के लिए वित्तमंत्री सीतारमण ने स्पष्ट प्रावधान करने का ऐलान किया। सीएम पुष्कर धामी ने बजट पर कहा कि यह ऐतिहासिक, दूरदर्शी, समादेशी, सर्वग्राही है। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि यह तरक्की का नहीं बल्कि केन्द्र सरकार को बचाने का बजट है।

चारधाम में जुटे हैं

चारधाम यात्रा में अभी यात्री जुटे हुए हैं। बरसात के बाद सड़कों की हाल खराब होने के कारण कई बार यात्रियों को रोका जा रहा है और आवागमन में समय के अनुसार रोक भी है लेकिन भोले के भक्त जुट रहे हैं। केदारनाथ समेत अन्य शिवालयों में भोले के जयकारे गूंज रहे हैं। गोपेश्वर जिला मुख्यालय स्थित गोपीनाथ मन्दिर समेत अन्य शिवालयों में श्रावण मास के प्रथम रविवार से लगातार भोले के जयकारे जारी हैं। पोखरे में बागनाथ, रैंसु, सलना, बसुकेदार, पुष्केश्वर महादेव, सलना, महड़ मन्दिरों में काफी भीड़ जुटी।

धर्मनगरी हरिद्वार में भीड़

सावन और कांवड़ के समय में हरिद्वार में अथाह भीड़ जुटी हुई है। हरकी पैड़ी समेत अन्य गंगा घाटों पर गंगाजल के लिये कांवड़ यात्रियों की भारी भ्झीड़ लगी है। जलभराव के कारण हरिद्वार, ऋषिकेश, रुड़की में दिक्कतों का सामना भी करना पड़ा है परन्तु देशभर से आने वाले श्रद्धालु यहाँ दिखाई दे रहे हैं।

जागेश्वर का श्रावणी मेला

अल्मोड़ा जिले के जागेश्वर में परम्परागत रूप से शिवभक्त जुटे हुए हैं। इस बार मेले का उद्घाटन सीएम पुष्कर धामी ने किया। जागेश्वर और वृद्धजागेश्वर की की अथाह मान्यता रही है और भक्तों का तांता लगा रहता है।

चमोली-रुद्रप्रयाग-कर्णप्रयाण

चमोली के पुरातन मन्दिरों सहित नवनिर्मित मन्दिरों में सावन की झड़ के बीच जलाभिषेक किया जा रहा है। कर्णप्रयाग में संगम त शिवालय, कालेश्वर, शैलेश्वर, गौचर में पन्नेश्वर, भट्टनगर, बंदाखंड, जलेश्वर मन्दिर, थराली पिण्डर घाटी में शिवालयों, ग्वालदम, सोल डुंग्री, सिमली के अटकेश्वर, नाकोट, नन्दप्रयाग स्थित बैरासकुण्ड शिवालय सहित तमाम जगह श्रावण की भक्ति बनी हुई है।

काशीविश्वनाथ में भक्तों का तांता

उत्तरकाशी। सीमान्त के प्रसिद्ध मन्दिर काशी विश्वनाथ मन्दिर, कण्डार देवता मन्दिर, प्राचीन रुद्रेश्वर महादेव, गंगामन्दिर में भक्तों का तांता लगा। नगर से लगे कालेश्वर, विमलश्वेर, नोगेश्वर, सिद्धेश्वर, बड़कोट स्थित चन्द्रेश्वर, पुरोला में कमलेश्वर मन्दिर में जलाभिषेक हो रहा है।

बेरीनाग के नाग मंदिर में तांता

बेरीनाग। क्षेत्र के नाग मन्दिर सहित शिव मन्दिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा। तहसील क्षेत्र के तपकेश्वर, पुंकेश्वर, कोटेश्वर महादेव, केदारेश्वर सहित नागीमल देवता मन्दिर में सावन पर लोग जुटे।

थल-मुवानी शिवभक्त जुटे

थल। क्षेत्र के ऐतिहासिक शिव मन्दिर में इलाके भर के लोगों ने

शेष पृष्ठ 5 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

परीक्षा का ये कैसा फल है?

उच्चशिक्षा की चाहत में लाखों युवा विश्वविद्यालयों, कालेजों से जुड़े हुए हैं और परीक्षाफल के रूप इनको मापा जाता है। सत्र में पठन-पाठन के बाद होने वाली परीक्षा का परिणाम इन्हें चाहिये। नई शिक्षा नीति के साथ ही पाठ्यक्रम में भले ही बदलाव हुआ हो और सेमेस्टर प्रणाली लागू हो गई हो लेकिन परीक्षाफल जरूरी है। अंक पत्र देखकर ही छात्र-छात्राओं को अन्य स्थानों पर अवसर मिलता है। यह भी सत्य है कि पढ़ाई के परम्परागत ढर्रे बीए-एमए जैसी पढ़ाई के अलावा अब बहुत से नये कोर्स होने लगे हैं, युवा उनमें जुड़ते जा रहे हैं। लेकिन इनमें भी अंक ज्यादा पाने की होड़ होती है। याने की अंक पत्र सबका प्रिय है।

ऐसे में हर कोई चाहेगा कि वह अंक पत्र एकदम बेहतर हो जिससे उसके नाम, माता-पिता का नाम, विषय, अंकों का परिचय प्राप्त हो रहा है। इसी लिए कहा जाता है परीक्षाफल के लिये विशेष सावधानी रखनी है। कालेज विश्वविद्यालय जिस प्रकार से भी नम्बरों का वितरण करते हैं और जिनके द्वारा प्रमाण पत्र जारी होता है वह बहुत ही सावधानी से इसे जारी करें। यह भी नियम है कि जब शिक्षण के बाद विद्यार्थी परीक्षा देता है तो उसका परीक्षाफल उसे नियत समय पर उस संस्थान में उपलब्ध हो जाता है या डाक द्वारा प्रेषित कर दिया जाए। वर्तमन में यह परिणाम ऑनलाइन सुविधा में भी उपलब्ध हो जाते हैं परन्तु मूल प्रति बाद में दे दी जाती है।

प्रमाण पत्र/परीक्षाफल की इन सारी खूबियों और जरूरतों के बाद भी जब इनमें त्रुटियां हों, विद्यार्थी को भटकना पड़े तो क्या कहें? विश्वविद्यालयों द्वारा जारी परीक्षाफल में इस प्रकार की त्रुटियां गम्भीर विषय है। उदाहरण के लिये सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा को इसमें अग्रणीय माना जा रहा है। सैकड़ों विद्यार्थी अपने परीक्षा परिणाम को लेकर परेशान हैं। इनमें कहीं नाम, कहीं पिता का नाम, कहीं कक्षा, कहीं विषय, कहीं नम्बरों में गलती होने से आफत मची हुई है। विश्वविद्यालय और तमाम महाविद्यालयों में इसके लिये आन्दोलन हो रहे हैं। विवि द्वारा अंक सुधार के लिये समय दिया जा रहा है और किया जा रहा है लेकिन सीधा सवाल तो यही है कि इन गलतियों की सजा विद्यार्थी क्यों भोगे? परीक्षा का ये कैसा फल है? विवि तय करे कि प्रवेश के साथ ही बिना त्रुटि के परीक्षाफल समय पर जारी हो।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

कनाडा के एक और मन्दिर में तोड़फोड़

ओटामा। कनाडा में एक बार फिर हिन्दू मन्दिर को निशाना बनाया गया। अलबर्ट प्रान्त की राजधानी एडमॉन्टन में मन्दिर में तोड़फोड़ की गई। इसके पीछे खालिस्तान समर्थकों का हाथ बताया जा रहा है। कनाडा के सांसद चन्द्र आर्य ने सोशल मीडिया पर अपनी चिन्ता व्यक्त की।

ऋषि सुनक 2 नवम्बर तक नेता प्रतिपक्ष रहेंगे

लन्दन। ब्रिटेन की सांसद में पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक 2 नवम्बर तक अन्तरिम नेता प्रतिपक्ष बने रहेंगे। कंजर्वेटिव पार्टी की समय सारिणी के अनुसार नवम्बर तक उनके उत्तराधिकारी का चुनाव किया जायेगा और इसके लिये नामांकन प्रक्रिया जारी है।

मुस्लिमों के जबरन दाह संस्कार पर मांफी

कोलम्बो। श्रीलंका की सरकार ने कहा कि वह कोविड-19 से जान गंवाने वाले मुस्लिम व्यक्तियों के जबरन दाह संस्कार के लिए देश के मुस्लिम समुदाय से औपचारिक रूप से माफी मांग रही है। श्रीलंकाई सरकार ने स्वास्थ्य सम्बन्धी चिन्ताओं के कारण विवादित शवदाह

हैरिस के नेतृत्व में बदलाव की सम्भावना नहीं

वाशिंगटन। भारत केन्द्रित अमेरिकी व्यापार एवं एणनीतिक पैरोकार समूह के प्रमुख ने कहा कि अगर कमला हैरिस राष्ट्रपति चुनी जाती हैं तो उनके प्रशसन में भारत-अमेरिका नीति एवं रणनीति में कोई बदलाव होने की सम्भावना नहीं है।

ओलंपिक से पहले प्रधानमंत्री की नियुक्ति नहीं

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्राके ने कहा कि वह अव्यवस्था से बचने के लिए ओलम्पिक खेलों की समाप्ति से पहले नए प्रधानमंत्री की नियुक्ति किसी भी कीमत में नहीं करेंगे।

भारम विरोधी तत्वों पर कार्रवाई करे कनाडा

नई दिल्ली। भारत ने कनाडा के एडमॉन्टन में मन्दिर में तोड़फोड़ की रिपोर्ट पर चिन्ता जताते हुए कनाडा सरकार से दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस मुद्दे पर सवालों के जवाब में कहा हमने इस मामले को दिल्ली और ओटावा दोनों में कनाडा के अधिकारियों के साथ दृढ़ता से उठाया है।

फसक

दाज्यू, जो दिख रहा वही धांधली होने वाला ठैरा

सरकारी दामाद होने का रौब बहुत ताकत देता है बल

दाज्यू, काशीपुर के राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बड़ी धांधली की बात कही जा रही है। टैबलेट बांटने के नाम पर कोषागार से 7.47 करोड़ रुपये निकला लिये बल। अब जाँच-पड़ताल चल रही है। दाज्यू, इस कालेज में पहले से भी खूब गुलछर्रे की बात छिड़ती रही है। प्रो.मुक्कादत्त बता रहे थे- 'जवानी का सारा जोर यहीं लगा दिया। हमारे चेले चप्पू ने बहुत सेवा की। दप्पी भी खूब साथ देती थी।' तराई का आरामदायक कालेज हुआ। दाज्यू, सरकारी दामाद होने का रौब बहुत रौब देता है। रामू-श्यामू नौकरी में नहीं होते तो उन्हें सड़क पर भीख भी नहीं मिलती। अब नौकरी में हैं तो हिलने-हिलाना सब आसान ठैरा।

राधेहरि कालेज की क्या कहो, और जगह भी तो.....। दाज्यू, जो दिख रहा वही धांधली होने वाला ठैरा। तरीके से पोछा लगे तो पता चल जायेगा फिनाइल से लेकर कागज पत्तर, पेड़-गमलों से लेकर कम्प्यूटर, उपकरण से लेकर निर्माण तक में बहुत गजबज है। चम्पावत कालेज में छात्र संघ और कर्मियों के बीच ध क्कामुक्की से हंगामा हो गया। टनकपुर कालेज में घपलों की जड़ी खोदी जा रही है बल।

दाज्यू क्या नहीं हो रहा है पूछो। घोर कलजुग चल रहा है। रुद्रपुर में अनैतिक देह व्यापार का धन्धा जोरों पर है। पुलिस ने ट्रांजिट कैम्प इलाके से तीन महिलाओं समेत नौ को गिरफ्तार कर लिया है। लोहाघाट में मसूम से दुराचार का आरोपी चचेरे दादा को हिरासत में ले लिया है बल। चम्पावत में नाबालिक साली से दुष्कर्म करने वाले को 20 साल की सजा सुनाई गई है। पाटी विकासखण्ड में एक नाबालिग से रिश्ते के भांजे ने दुष्कर्म कर गर्भवती बना दिया। परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस कार्यवाही चल रही है। शक्तिफार्म, सितारगंज में एक नव विवाहिता ने देवर पर दुराचार का आरोप लगाया है। हल्द्वानी के टीपी नगर क्षेत्र में बेटी से अश्लीलता करने पर रोकने पर उसके पिता को दर्जनभर लोगों ने मारपीट कर दी। पीड़ित ने कोतवाली में मामला दर्ज कराया।

दाज्यू, सब लगा खेल ठैरा। हमें तो देश की वित्त मंत्री सीतारमण द्वारा सातवें और मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले बजट पेश करते वक्त से गुदगुदी हो रही है। आम आदमी गुदगुदी के अलावा कर भी क्या सकता है। पक्ष वाले कह रहे हैं- बहुत सधा हुआ बजट है। विपक्ष वाले कह रहे हैं- फिर से ठग दिया है। दाज्यू, गजब ही गजब हो रहा है। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय का उदय ही गजबजाट बना हुआ है। अंक पत्रों के सुधार के लिये छात्र-छात्राएं भटक रहे हैं। एक अंकपत्र में तो पूर्णांक 290 में से 334 अंक दे डाले हैं बल। कैम्पसों सालभर के लिये अतिथि शिक्षक नियुक्त कर पटरी पर लाने का दावा है। आनन-फानन में चम्पावत कालेज को भी कैम्पस बना दिया गया। कैम्पस में रसायन विज्ञान में विद्यार्थियों को शून्य अंक मिले हैं बल। इन छात्र-छात्राओं से अब प्रत्यावेदन मांगे गये हैं। विश्वविद्यालय के कैम्पसों में नई-नवेली भर्ती वाले युवा पढ़ाएंगे या विश्वविद्यालय में उठ रहा धुंआ देखेंगे भगवान जाने।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

कुंवर भानुराज पाल की पत्नी नीलम का निधन

अस्कोट। पाल राजवंश के 109वीं पीढ़ी के राजा कुंवर भानुराज पाल की पत्नी महारानी नीलम पाल का निधन हो गया। 66 वर्षी नीलम लम्बे समय से अस्वस्थ्य चल रही थी। 26 जुलाई 25 को अपने लखनऊ आवास पर उन्होंने अन्तिम सांस ली। महारानी के निधन का समाचार मिलते ही अस्कोट क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ पड़ी। क्षेत्रवासियों ने शोकसभा कर महारानी को श्रद्धांलजि अर्पित की।

कांग्रेस की पदयात्रा, भाजपा का उबाल

स्थानीय मुद्दों को लेकर बरसती कांग्रेस भाजपा का पलटवार

हरिद्वार/रुद्रप्रयाग। कांग्रेस की केदारनाथ पदयात्रा के दबदबे के बाद भाजपा में उबाल है। असल में उपचुनाव में सफलता के बाद से कांग्रेयिों में जोश है और वह विपक्ष के रूप में कोई भी ऐसा मुद्दा नहीं छोड़ना चाहते हैं जो उन्हें जनता के बीच ले जाए। केदानाथ नाम से दिल्ली में मन्दिर बनाए जाने के विरोध में जब पूरा पण्डा समाज, हक हकूकधारी सड़क पर उतर आए तो कांग्रेस को बड़ा अवसर हाथ लगा है। आस्था की उड़ान के साथ लोगों के बीच घर बनाने वाली भाजपा के लिये यह असहनीय बात है। यही कारण है कि दिल्ली में केदारनाथ नाम से ट्रस्ट और मन्दिर बनाने के मामले पर भाजपा और इसके संगठन ने बचाव किया। प्रदेश सरकार ने भी सख्त रुख अपनाया और कहा गया कि केदारनाथ के नाम पर ऐसा कुछ नहीं होगा परन्तु बात जब निकल पड़ी है तो दूर तलक जानी है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा के नेतृत्व में हरकी पैड़ी पर गंगा पूजा के साथ ही केदारनाथ धाम प्रतिष्ठा रक्षा यात्रा शुरू कर दी गई। प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ने तय किया है कि जाति और धर्म के नाम पर देश में जो नफरत फैलाई जा रही है, उसको मिटाने के लिए हम यह यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केदारनाथ धाम ट्रस्ट का इस्तेमाल दिल्ली में किया जा रहा है। श्रद्धालु सोच रहे हैं कि हम केदारनाथ धाम में पैसा भेज रहे हैं लेकिन पैसा दिल्ली के केदारनाथ धाम ट्रस्ट को जा रहा है। कहा कि हमने कल भी निरीक्षण के लिए केदारनाथ धाम ट्रस्ट के क्यूआर कोड पर पैसा डाला वो दिल्ली पहुँच गया। कानून बना दिया, लागू कौन करेगा, यह भी सरकार को बताना चाहिये। माहरा ने कहा कि उत्तराखण्ड की देव संस्कृति के साथ जिस प्रकार का छल किया जा रहा है, उसको इस यात्रा के माध्यम से विश्व भर के सामने उजागर किया जाएगा। देवभूमि का सरकार जो व्यवसायीकरण कर रही है, उसका विरोध करते हैं।

कांग्रेस की इस यात्रा में पार्टी के दिग्गज नेताओं का साथ है और यात्रा के दौरान स्थानीय मुद्दों को उठाया जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य का कहना है कि भाजपा ने अहंकार में डूबकर जिस प्रकार दिल्ली में धाम के नाम से मन्दिर का निर्माण की आधारशिला रखी, कांग्रेस ने सरकार के इस पाप के खिलाफ यात्रा शुरू की है।

कांग्रेस की यात्रा पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा सनातन धर्म का अपमान किया है। इसलिए उन्हें प्रायश्चित यात्रा निकालनी चाहिये। कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केदार धाम में जितना काम किया है, अन्य किसी प्रधानमंत्री ने नहीं किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट कहते हैं कांग्रेस की केदार यात्रा राजनैतिक है और इसे केदारनाथ उपचुनाव में लाभ लेने की कोशिश के रूप में इस्तेमाल किया है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

मानसून

आपदा और अतिवृष्टि से अन्नदाताओं पर टूटा दुःख का पहाड़

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

प्रदेश में मलबा एवं अतिवृष्टि से फसलों को जो नुकसान हुआ है, उसने अन्नदाता की आर्थिक परेशानी बढ़ा दी है। पौड़ी, रुद्रप्रयाग, ऊधमसिंह नगर और चम्पावत जिले में सिंचित और असिंचित क्षेत्र की फसल खराब हुई है। प्रदेश में मलबा एवं अतिवृष्टि से फसलों को जो नुकसान हुआ है। सबसे अधिक नुकसान ऊधमसिंह नगर जिले में हुआ है। इस जिले के सात विकासखण्डों खटीमा, सीतारगंज, रुद्रपुर, गदरपुर, बाजपुर, काशीपुर एवं जसपुर में अतिवृष्टि से फल, सब्जी एवं धान की 2345 हेक्टेयर फसल प्रभावित हुई है। पौड़ी जिले के जयहरीखाल में मंडुवे की .3 हेक्टेयर, रुद्रप्रयाग जिले के अगस्त्यमुनि में धान की .04 हेक्टेयर फसल को नुकसान हुआ है। इसके अलावा चम्पावत में धान की पाँच हेक्टेयर फसल खराब हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया कि तीन जुलाई को रुद्रप्रयाग के अगस्त्यमुनि में बादल फटने और आठ जुलाई को पौड़ी के जयहरीखाल में अतिवृष्टि से फसलों को नुकसान हुआ है। विस्तृत क्षति के आकलन के लिए कृषि, उद्यान एवं राजस्व विभाग की ओर से सर्वे का काम किया जा रहा है।

प्रदेश में आपदा और अतिवृष्टि से फसलें खराब होने से अन्नदाता जहाँ आर्थिक परेशानी से जूझ रहे हैं, वहीं, कृषि विभाग का कहना है कि प्रभावितों को अभी मुआवजे का मरहम नहीं लग पाएगा। कृषि विभाग के निदेशक बताते हैं कि फसलों को हुए नुकसान का विस्तृत सर्वे कराया जा रहा है। विभाग को अभी जो रिपोर्ट मिली है, उसमें फसलों की क्षति 33 प्रतिशत से कम है, जबकि केन्द्र सरकार का मुआवजे को लेकर मानक 33 फीसदी से अधिक के नुकसान का है। कृषि विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, हरिद्वार, देहरादून, नैनीताल, अल्मोड़ा, बागेश्वर, टिहरी, उत्तरकाशी और चमोली प्रदेश के ऐसे जिले हैं, जिनमें आपदा और अतिवृष्टि से अभी कोई नुकसान नहीं हुआ। आपदा और अतिवृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। 33 फीसदी से अधिक के नुकसान पर प्रभावित किसानों को मुआवजा दिया जाएगा। जिनका बीमा है, उन्हें सम्बन्धित कम्पनी बीमा राशि देगी, जबकि अन्य प्रभावितों की किस तरह से मदद की जा सके, इसके लिए रास्ता निकाला जाएगा। विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले उत्तराखण्ड में चौमासे यानी वर्षाकाल के चार महीनों में अतिवृष्टि, भूस्खलन, भूधंसाव, बादल फटना, नदियों बाढ़ जैसी आपदाएं भारी पड़ रही हैं। हर साल ही इसमें बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान झेलना पड़ रहा है। इस समय देश में महंगाई अहम मुद्दा है। वर्तमान समय में अगर बात करें तो देश के किसानों को खेती करना काफी महंगा पड़ रहा है। बीज, खाद और डीजल के दामों में तेजी के बाद किसानों के लिए खेती करना बड़ा मुश्किल हो गया है। बढ़ती हुई महंगाई से किसानों की रुचि खेती के प्रति दिन-प्रतिदिन कम होती जा रही है क्योंकि किसानों के लिए खेती अब घाटे का सौदा लग रहा है। किसानों का मानना है कि अब खेती से लागत निकलना भी असम्भव सा हो रहा है। बता दें डीजल की कीमत बढ़ने से किसान पहले ही परेशान हैं। खेती-किसानी का ज्यादातर काम ईंधन पर निर्भर है। खेत की जुताई से लेकर कटाव और फसल को मंडी ले जाने तक किसान ट्रैक्टर का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन महंगा डीजल किसानों के सामने पहले से ही बड़ी समस्या बना हुआ है। ऐसे में खराब मानसून से हालात और जटिल हो सकते थे। कम पैदावार से अनाज, फल-सब्जी और दूध जैसी रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीजों के दाम और बढ़ सकते हैं। लेकिन अच्छे मानसून से महंगाई पर लगाम लग सकती है। साथ ही खाद, बीज, आटोमोबाइल, कंज्यूमर गुड्स और फाइनांस कम्पनियों के शेयर भी डिमाण्ड में रहते हैं। इस तरह अच्छा मानसून शेयर बाजार पर भी प्रभाव डालता है। मानसून के कारण जलाशय लबालब भर जाते हैं जो हाइड्रोपावर तथा सिंचाई के लिए अहम हैं। साफ है, जिस तरह मानसून देश की अर्थव्यवस्था के लिए बेहद अहम है, उसी तरह कारपोरेट कम्पनियों से लेकर आम कंज्यूमर तक हर किसी की पर्सनल इनकम और सेविंग्स पर भी इसका गहरा असर पड़ता है। यकीनन देश की अर्थव्यवस्था के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए एक सुकून भरा परिदृश्य उभरता मानसून तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ ही है।

ज्योतिष की बातें- 189

5 अगस्त 2024 को बुध सिंह राशि में वक्री हो जाएगा। मंगल और शनि की दृष्टि यथावत् रहेगी। 24 दिन तक वक्री रहेगा। इसी मध्य अगले दिन 6 अगस्त को बुध अस्त भी हो जाएगा। अतः अधिकतर जातकों के लिए अगले 24 दिन बुद्धि विपरीत दिशा में ही चलेगी इसलिए सावधानी रखनी चाहिए। बुध अस्त होने का प्रभाव वैसे तो अधिक नहीं होता है फिर भी बुध के शुभ फलों में थोड़ी न्यूनता आती ही है।

नागपंचमी- श्रावण शुक्लपक्ष की षष्ठीयुता पंचमी, न्यूनतम त्रिमुहूर्ता पंचमी तिथि को नागपंचमी का पर्व मनाया जाता है। तदनुसार शुक्रवार 9 अगस्त 2024 को नागपंचमी का पर्व मनाया जाएगा। श्री मद्भागवत्पुराण के अनुसार इसी दिन ब्रह्मा जी ने नागों को यह वरदान दिया था कि जन्मेजय के नागयज्ञ में आस्तीक मुनि तुम्हारी रक्षा करेंगे और इसी दिन आस्तीक मुनि ने नागों की रक्षा की थी।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 80

औरतों का पैर छूना

मैं महाराष्ट्र के पुणे में एक कार्यक्रम में मंच पर बैठा था। कार्यक्रम समाप्ति के बाद वहाँ उपस्थित महिलाएँ मंच पर बैठे अतिथियों के पैर छूने लगी। मेरे भी पैर छूने लगी, मुझसे भी उम्र में बड़ी औरतें। यह देखकर मुझे बड़ा आश्चर्य हुआ। मैं बड़ी मुश्किल से उन महिलाओं को पैर छूने से रोक पाया। पुणे में ही एक सन्त पालकी निकल रही थी। कथाकार महात्मा भी चल रहे थे। रास्ते में मैंने देखा कि उस यात्रा में चल रही औरतों ने उन कथाकार सन्त के सड़क पर ही उनके चरण धोकर विधिवत उनके चरणों की पूजा की। यह दृश्य मुझे बड़ा ही अशोभनीय लगा। महिलाएँ तो उनके पैर छू रही थी लेकिन यात्रा में चल रहे पुरुष सन्त के पैर नहह्न छू रहे थे। देश में कुछ प्रान्तों में ऐसी परम्परा है कि महिलाएँ अपने से उम्र में बड़े सभी लोगों के पैर छूती हैं मतलब भाभी अपने देवर के भी पैर छूती है यदि देवर उम्र में बड़ा है। कहीं-कहीं तो लड़की को अपनी ससुराल जाने पर वहाँ उपस्थित छोटे बड़े सभी पुरुषों के पैर छूने पड़ते हैं।

देश की कुछ क्षेत्रों में चल रही ऐसी परम्पराएँ बहुत ही अशोभनीय हैं, धर्म विरुद्ध हैं। महिलाओं को अपने गुरु के भी चरण स्पर्श नहीं करना चाहिए बल्कि दूर से ही हाथ जोड़कर प्रणाम करना चाहिए। इस विषय में एक प्रसिद्ध सन्त स्वामी रामसुखदास जी के भी प्रवचन प्राप्त होते हैं। हिन्दू धर्म में महिलाओं को विशेष सम्मान प्राप्त है। सनातन धर्म के अनुसार एक महिला को अपने पति के अतिरिक्त किसी भी अन्य पुरुष के चरण स्पर्श नहीं करना चाहिये अपितु एक पुरुष अपनी पत्नी को छोड़कर किसी भी महिला के पैर छू सकता है। यहाँ पर पैर छूने को और साष्टांग दण्डवत् करने को एक समान समझें ।

-सरल

बदरीनाथ में मास्टर प्लान के तहत बनेगी नई पेयजल परियोजना

गोपेश्वर। मास्टर प्लान के तहत बदरीनाथ में नई पेयजल परियोजना का निर्माण होगा। इसके लिए पहले चरण की डीपीआर जल्द बनेगी।

बदरीनाथ धाम में भविष्य की जरूरतों के हिसाब से मास्टर प्लान के तहत प्रस्तावित नई पेयजल परियोजना को लेकर जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने समीक्षा बैठक लेते हुए जल संस्थान को नई नई पेयजल योजना के निर्माण हेतु पहले चरण की डीपीआर तैयार करने को कहा। बदरीनाथ धाम को स्मार्ट आध्यात्मिक हिल टाउन बनाने के लिए मास्टर प्लान के तहत काम चल रहा है। यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या साल दर साल बढ़ रही है। बरीनाथ धाम में आगामी 30 वर्षों की पेयजल परियोजना का प्रस्ताव तैयार किया गया है। डीएम खुराना ने प्रस्तावित पेयजल योजना की समीक्षा करते हुए जल संस्थान के अधिकारियों को बदरीनाथ धाम में भविष्य में बनने वाले नए होटल, भवन व फ्लेटिंग पेपुलेशन का भी पूरा आंकलन करते हुए प्रस्ताव शामिल करने के निर्देश दिए। आईएसआई डिजायन कम्पनी से समन्वय करते हुए मास्टर प्लान के साथ यह कार्य होगा।

दुदबोली

भाषा साहित्य के विकास में लोक भाषाओं का बड़ा योगदान है

रतन सिंह किरमोलिया

हमारी हिन्दी भाषा साहित्य के विकास एवं उन्नयन में हमारी लोक भाषाओं का बड़ा योगदान है। लोकभाषाओं के अधिकांश शब्दों को हिन्दी भाषा ने आत्मसात कर ग्रहण किया है। इन सबकी जननी आदि भाषा संस्कृत को माना गया है। हमारी लोकभाषाओं में संस्कृत के शब्दों का पाया जाना और उनका प्रयोग इस बात को तसदीक करता है।

यदि हम कुमाउंनी लोक भाषा के इतिहास पर दृष्टि डालें तो यह हमारी राष्ट्रभाषा हिन्दी के इतिहास से पुराना है। तत्कालीन शिलालेख भी इस बात को प्रमाणित करते हैं।

तत्कालीन शिलालेखों एवं लिखित साहित्य को देखा जाए तो आज कुमाउंनी के मानक स्वरूप तय करने की जो चर्चा चल रही है उसकी चिन्ता करने की जरूरत ही नहीं रह जाती है। क्योंकि करीब करीब सन् 1815 के आसपास से इसका लिखित रूप मिलता है। इससे पूर्व दसवीं-ग्यारहवीं सदी में प्राप्त शिलालेख भी इसके मानक स्वरूप को इंगित करते हैं। आज कुमाउंनी भाषा के मानक स्वरूप तय करने में जो मतभेद उभर कर सामने आ रहे हैं। उसका बड़ा कारण मेरी समझ से हमारे अग्रज पीढ़ी के कवि, लेखक और साहित्यकारों का ध्यान इस ओर न जाना रहा है। उनका ध्यान मुख्यतया निरन्तर इसके साहित्य भण्डार की श्रीवृद्धि करने की ओर अधिक रहा। उनके इस कार्य से एक विशेष बात यह हुई कि हमारी कुमाउंनी का परिष्कृत एवं परिनिष्ठित रूप आज हमारे समक्ष दिखाई दे रहा है।

अब इन बातों को ध्यान में रखते हुए कुमाउंनी भाषा का मानक स्वरूप तय समझना चाहिए था। मगर विभिन्न क्षेत्रों की करीब नौ उपबोलियों के विशिष्ट शब्दों के अर्थ भेद को लेकर शंकाएं वाजिब लगती हैं। परन्तु मिल-बैठकर कर इसका समाधान निकालना ज्यादा मुश्किल काम नहीं है। दूसरी बात यह है कि विभिन्न क्षेत्रों की उपबोलियों के सरल सहज एवं सर्वग्राह्य शब्दों को सभी रचनाकार धीरे धीरे अपने लेखन में प्रयोग करना शुरू करने का प्रयास करें। इस पर समय-समय पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएं तो कहीं कोई शंका या विवाद की स्थिति पैदा नहीं होगी। इसके लिए सभी साहित्यकारों, लेखकों, भाषाविदों, भाषा वैज्ञानिकों और अनुसंधानकर्ताओं को समय-समय पर कार्यशालाओं का आयोजन कर विचार विमर्श करते रहना चाहिए

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

मोस्टमानू मेला छह सितम्बर से

पिथौरागढ़। सोरघाटी व गोरंगघाटी क्षेत्र का प्रसिद्ध मोस्टमानू मेला आगामी 6 सितम्बर को होगा। मेले को लेकर समिति ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। समिति के अध्यक्ष भगवान सिंह ने बताया कि 6 से शुरू होने वाले मेले का मुख्य दिवस 8 सितम्बर को है। जिसमें मोस्टा देवता का डोला उठेगा। इस दिन स्थानीय कलाकारों व सांस्कृतिक दलों की प्रस्तुतियां भी होंगी।

अखिलतारिणी धाम धर्मशाला निर्माण

लोहाघाट। दिगालीचौड़ के माँ अखिल तारिणी धाम की पुरानी धर्मशाला का नव निर्माण कार्य प्रारम्भ हो चुका है। इसके साथ ही धाम में घण्टी स्टैंड और झूले का निर्माण किया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष दीपक जोशी ने बताया कि क्षेत्र के लोगों के सहयोग से यह कार्य किया जा रहा है। प्रथम चरण में पुराने स्थान पर नई धर्मशाला का निर्माण किया जा रहा है।

बेरीनाग-पस्तोला व नरगोली मार्ग सुधारो

बागेश्वर। बागेश्वर व पिथौरागढ़ जिले को जोड़ने वाली बेरीनाग-पस्तोला व बेरीनाग-नरगोली मोटर मार्ग की हालत सुधारने की मांग को लेकर कमस्यार घाटी विकास संघर्ष समिति के लोगों ने विधायक सुरेश गड़िया से भेंट की। विधायक को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि ये दोनों महत्वपूर्ण मार्ग हैं, जिनमें शीघ्र सुधारीकरण व डामरीकरण करवाया जाए। विद्यार्थीअपनी पढ़ाई और क्षेत्रवासी कार्यवश बेरीनाग जाते रहते हैं लेकिन सड़क के हालात बहुत नाजुक हैं।

मूनाकोट में डिग्री कालेज की मांग

झूलाघाट। मूनाकोट में डिग्री कालेज खोले जाने की मांग को लेकर रामलीला मैदान में अनशन जारी है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ झूलाघाट, क्वीतड़, कुम्डार, बड्डा, मड़मानले, दोबांस, भड़कटिया आदि क्षेत्र के लोग भी समर्थन दे रहे हैं। उनका कहना है कि वर्तमान में शिक्षा व्यवस्था के लिये इस पिछड़े इलाके में डिग्री कालेज जरूरी है ताकि क्षेत्र के युवा उच्चशिक्षा से जुड़ें।

बेरीनाग में सड़क सुधारीकरण हो

बेरीनाग। महाविद्यालय और नाग मन्दिर को जोड़ने वाली सड़क के सुधारीकरण की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों ने फिर से आवाज उठाई है। यह सड़क पूरी तरह गड्ढों से घिरी है। बड़ी आवादी वाले इस क्षेत्र, स्कूल, कालेज के अलावा मन्दिर आने-जाने वालों को बेहद दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। बेरीनाग शहर में यह महत्वपूर्ण मार्ग है और इससे ग्राम और नगर पालिका के वार्ड भी जुड़े हुए हुए हैं लेकिन आवागमन में दिक्कत हो रही है।

पंचायतों के पुनर्गठन व परिसीमन की समय सारिणी और प्रक्रिया

देहरादून। राज्य में हरिद्वार को छोड़कर शेष 12 जिलों में त्रिस्तरीय पंचायतोंका 5 साल का कार्यकाल समाप्त होने में अब चार माह का समय शेष रह गया है तो चुनाव के दृष्टिगत विभिन्न प्रक्रिया पूर्ण करने को लेकर तैयारियों की ओर प्रशासन का ध्यान है। इसी क्रम में शासन ने ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन और परिसीमन के लिए समय सारिणी अनुसार यह प्रक्रिया 29 जुलाई से प्रारम्भ हो चुकी है जो दस सितम्बर तक चलेगी। इसके अलावा क्षेत्र व जिला पंचायतों के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों के निर्धारण के लिए भी समय सारिणी जारी हो चुकी है। इसकी प्रक्रिया 13 सितम्बर से 27 सितम्बर तक चलेगी। हरिद्वार को छोड़कर अन्य जिलों में त्रिस्तरीय पंचायतों का 5 साल का कार्यकाल इस वर्ष नवम्बर के अन्त तक समाप्त हो रहा है। पंचायती राज अधिनियम में प्राविधान है कि पंचायतों का कार्यकाल पूरा होने से 15 दिन पहले अथवा बाद में नए चुनाव कराए जाने आवश्यकत है। ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन के मानक भी तय हैं।

बाड़ेछीना में बन्दरों का आतंक मचा

बाड़ेछीना। नगर क्षेत्र सहित आस-पास बन्दरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। क्षेत्रवासियों द्वारा लम्बे समय से मांग की जा रही है कि बन्दरों को पकड़ कर दूर जंगल में छोड़ा जाए परन्तु अभी तक ऐसा कुछ नहीं हुआ। अपने बचाव के लिये बाजार क्षेत्र में लोगों ने लोहे की जालियां लगवा ली हैं। दुकानदारों ने अपनी दुकान को जाली से कैद कर लिया है ताकि बन्दरों का झुण्ड आकर कहीं छीना झपटी कर सामान न उठा ले। चाय की छोटी दुकानों, मिठाई की दुकान, होटलों में खाने-पीने का सामान बचाव के लिये व सुरक्षा के लिये जाली लगवा ली गई हैं।

स्थिति इतनी खराब है कि बन्दर मौका लगते ही घरों से सामान उठा लेते हैं। खेतीबाड़ी पूरी तरह उजाड़ दी है। राह चलते लोगों पर झपटने लगे हैं। विगत दिवस एक बुजुर्ग महिला पर हमला बोल दिया। अपने घर के आंगन पर बैठी 82 वर्षीय बुजुर्ग हरुली देवी पर बन्दरों के झुण्ड ने एकाएक हमला कर दिया। जिसमें वह किसी तरह बच सकी। बुरी तरह घायल हरुली देवी को परिजन अस्पताल ले गये, जहाँ से उन्हें हायर सेन्टर भेजा गया।

गंगोलीहाट जीजीआईसी की उपेक्षा

गंगोलीहाट। राजकीय बालिका इण्टर कालेज की उपेक्षा से नाराज क्षेत्रवासियों ने बालिकाओं के साथ विरोध प्रदर्शन किया और तहसील कार्यालय पर धरना दिया। स्कूल भवन का पुनर्पिर्माण नहीं होने से नाराज अभिभावकों ने नगर में जुलूस निकालते हुए कहा कि शिक्षा के मन्दिर की घोर उपेक्षा की जा रही है। विद्यालय परिसर में एकत्रित होकर क्षेत्र वासियों ने जुलूस निकाला। तहसील कार्यालय में सभा करते हुए कहा कि बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ का नारा देने वाली सरकार को पहले विद्यालय की सुध लेनी चाहिये। भवन की जीर्ण हालत कभी भी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इस पर विधायक फकीर राम का कहना है कि विद्यालय भवन के वर्तमान स्थिति मेरे संज्ञान में नहीं है। विरोध प्रदर्शन विरोधी पार्टियों का काम है। प्रदर्शन करने वालों में ललित सिंह बोरा, भागीरथी बोहरा, गीता बोहरा, मुन्नी देवी, गरिमा देवी, किशोर कुमार, हंसा देवी आदि थे।

बूढ़ाकेदार में भूस्खलन से मकान दबे

टिहरी। तोली गाँव के बाद टिहरी के बूढ़ा केदार के तिनगढ़ गाँव में भूस्खलन का भयावह दृश्य दिखाई दे रहा है। दौरे पर आई प्रशासन की टीम के सामने हुए भूस्खलन में 15 आवासीय मकान मलबे में दब गए। ग्रामीण अपने मकानों को सुबह ही खाली कर चुके थे, जिससे वह सुरक्षित बच गये। इस बड़े हादसे में मुख्यमंत्री ने दु:ख प्रकट करते हुए टिहरी के प्रभारी मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल को घटना स्थल पर जाकर राहत एवं बचाव कार्य की समीक्षा करने को कहा। सीएम ने जिला प्रशासन को प्रभावित क्षेत्र के सम्वेदनशील गाँवों को तत्काल चिन्हित कर प्रभावितों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने के निर्देश दिये। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि स्थानीय निवासियों के साथ ही मवेशियों एवं अन्य पालतू पशुओं को भी सुरक्षित स्थानों पर रखे जाने की व्यवस्था की जाए। डीएम मयूर दीक्षित ने बताया कि भिलंगना विकासखण्ड के बालगंगा क्षेत्र में राहत बचाव कार्य किया गया। मुआवजा भी उपलब्ध कराया गया है।

काशीपुर में टैबलेट मामले में निर्देश

काशीपुर। राधेहरि पीजी कालेज में टैबलेट धनराशि वितरण मामले में गड़बड़ी उजागर होने पर छात्रों ने भी मोर्चा खोल दिया है। निदेशालय को ज्ञापन भेजकर मामले में मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। बताया जा रहा है कि उच्चशिक्षा मंत्री ने ने सचिव को मामला दिखवाने के निर्देश दिये हैं।

बताते चलें कि कालेज में टैबलेट वितरण से पहले भी कई प्रकार की चर्चाएं होती रही हैं। इस बीच छात्रों ने उच्चशिक्षा निदेशक को सम्बोधित ज्ञापन प्रभारी प्राचार्य डॉ.महीपाल सिंह को सौंपा। इसमें उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में टैबलेट वितरण के मामले में गठित समिति ने जाँच की। इसमें भारी अनियमितता और धांधली उजागर हुई है। छात्रों ने मामले में दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। ऐसा न होने पर कालेज में ताला बन्दी की चेतावनी भी दी।

टनकपुर में रूसा मामले पर हलचल

टनकपुर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विधानसभा क्षेत्र के मुख्य डिग्री कालेज टनकपुर में रूसा की धनराशि का किस प्रकार से उपयोग किया गया है, इस मामले को लेकर हलचल होने लगी है। पिछले कई वर्षों से रूसा को लेकर यहाँ चर्चाएं हो रही थीं लेकिन इस बीच दबी फाइलों को उघाड़ा जा रहा है। माना जा रहा है कि रूसा मद से कालेज में बने भवन और क्रय की गई सामग्रियों में कोई सुराग मिल सकता है।

बताया जाता है कि रूसा मद से कालेज में वाणिज्य संकाय भवन बनने के अलावा कुर्सी, अलमारी, लैपटॉप सहित कई सामग्री आई थी। इसके प्रभारी से पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर नगेन्द्र द्विवेदी ने सवाल पूछे और प्रकरण सीएम कैम्प कार्यालय तक पहुँच गया। यह भी बताया जाता है कि तत्कालीन प्राचार्य श्रीमती जी.प्रकाश की कोरोना काल में मृत्यु के बाद प्रभारी रहे व्यक्ति द्वारा अपने कामकाज को ठीकठाक बताया गया लेकिन रूसा का चार्ज दूसरे लोग लेने में कतराते रहे। ऐसे में कोई तो चलचल जरूर है।

बेदखल से पहले पुनर्वास हो

सुप्रीम कोर्ट ने हल्द्वानी रेलवे स्टेशन के विकास के लिए भूमि सुरक्षित करने के लिये अधिकारियों को बेदखल करने से पहले प्रभावितों के पुनर्वास सुनिश्चित करने के लिये कहा हे। कोर्ट ने कहा अतिक्रमणकारी भी इन्सान हैं और रेलवे व लोगों की जरूरतों के बची सन्तुलन बनाने की जरूरत है।

डीडीहाट नगर की सड़कें सुधारो

डीडीहाट। नगर और आस-पास की सड़कों को सुधार की मांग करते हुए सर्वदलीय समिति ने लोनिवि के ईई को ज्ञापन प्रेषित किया। समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र बोरा के नेतृत्व में लोगों ने ज्ञपन देते हुए कहा कि डीडीहाट-भनड़ा, डीडीहाट-पमस्यारी सड़क पर जगह-जगह गड्डे हैं, जिसमें चलना मुश्किल हो गया है। कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। इन्हें सुधारा जाए। ईई अनदीप राणा ने भरोसा दिलाया कि बरसात के बाद सड़कों के कार्य पूर्ण कर दिये जाएंगे।

परिक्रमा

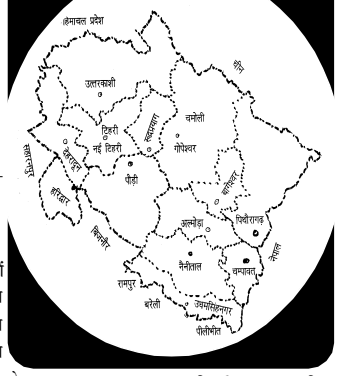

सुप्रीम कोर्ट जज से कराएं जाँच

देहरादून। कांग्रेस ने केदारनाथ में सोना, चांदी गायब होने के मामले की सुप्रीम कोर्ट के सीटिंग जज से जाँच कराने की मांग की है। कांग्रेस भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी से सोने के परत मामले में जाँच की मांग की। उन्होंने मुख्यमंत्री से भी केदारनाथ की अवमानना पर माफी मांगने की मांग की है।

रानीखेत-रामनगर हाईवे पर बैलीब्रिज

अल्मोड़ा। रानीखेत-खैरना-रामनगर स्टट हाईवे पर 50 लाख रुपये से तैयार बैली ब्रिज की सुविधा मिल चुकी है। 6 जुलाई को भारी बारिश के बाद उफान पर आया पन्याली नाला मोहान के पास पुल को बहा ले गया था। पुल बहने के बाद इस हाईवे पर आवाजाही पूरी तहत ठप हो चुकी थी। कुमाऊँ गढ़वाल को जोड़ने वाले इस बैली ब्रिज से अब आवागमन सुविधा मिलने लगी है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

सावन की झड़...

प्रथम पृष्ठ का शेष

सावन का पूजन किया। मुवानी के एकहथिया नौला मन्दिर तक भी काफी लोग पधारे।

चम्पावत बालेश्वर-डिप्टेश्वर

चम्पावत। पौराणिक बालेश्वर मन्दिर सहित डिप्टेश्वर, मानेश्वर, क्रान्तेश्वर, तड़केश्वर सहित अरू शिव मन्दिरों में जलाभिषेक लिये भारी भीड़ जुटी है। गोलज्यू मन्दिा, नागनाथ, हिंगल देव,, आदित्य महादेव, पंचेश्वर, मानेश्वर, रामेश्वर, गुमदेश के चौखाम बाबा मन्दिर, बाराकोट के रावल गाँव शिव मन्दिर, छमनिया शिव मन्दिर में भी जलाभिषेक हुआ।

सीराकोट मलयनाथ में सैलाब

डीडीहाट। प्रसिद्ध सीराकोट मलयनाथ मन्दिर में आस्था का सैलाब देखा गया। सावन की पूजा जलाभिषे के लिये दूर-दूर ग्रामों से ग्रामीण पहुँच रहे हैं। शहर के नन्दा मन्दिर सहित अन्य जगह भी सावन की पूजा के लिये श्रद्धालु जुटे हैं। इस अवसर पर भजन संध्या का आयोजन भी किया गया।

गंगोलीहाट महाकाली चामुण्डा दरबार

गंगोलीहाट। महाकाली दरबार के अलावा चामुण्डा, अम्बिका इत्यादि प्रमुख मन्दिरों में भारी भीड़ देखी गई है। पातालभुवनेश्वर में शिवभक्तों का आना बराबर बना हुआ है। भुलेश्वर, शैलेश्वर तमाम गुफा मन्दिरों व ग्राम्य देवताओं के मन्दिरों में में स्थानीय ग्रामीणों ने पूजा-अर्चना की। रामेश्वर मन्दिर में आस्थावानों ने खराब मौसम में भी उपस्थिति दी।

लोहाघाट ऋषेश्वर महादेव

लोहाघाट। नगर के ऋषेश्वर महादेव मन्दिर, आदित्य महादेव मन्दिर सुई, पंचेश्वर, मानेश्वर, रामेश्वर शिव मन्दिर, चौखाम बाबा मन्दिर, काकड़, छमनिया शिव मन्दिर के शिवालयों में जलाभिषेक के विशेष आयोजन हो रहे हैं।

पिथौरागढ़ सोरघाटी ध्वज मन्दिर

पिथौरागढ़। सोरघाटी के ध्वज मन्दिर में श्रीमद् देवी भागवत का आयोजन किया गया है। घण्टाकरण, सेरादेवल, चटकेश्वर, कपिलेश्वर, थलकेदार, लटैश्वर, मोष्टमानू, चण्डाक, ऐचोंली, हनुमान मन्दिर सहित तमाम मन्दिरों में सावन की पूजा के लिये लोग जुटे हुए हैं।

रानीखेत झूलादेवी, शिव मंदिर

रानीखेत। शहर के प्रसिद्ध शिव मन्दिर में सावन की पूजा के लिये अथाह भीड़ जुटी है। सिद्धेश्वर महादेव कालिका, जटाधारी शिव मन्दिर कफड़ा, शिव मन्दिर मिरई, विमाण्डेश्वर, विल्वेश्वर जालली, झूलादेवी, तमाम मन्दिरों में सावन पूजन जारी है।

नैनादेवी, गुफामहादेव नैनीताल

नैनीताल। श्रावण मास में जिला मुख्यालय के नैनादेवी मन्दिर, गुफा महादेव के साथ मुक्तेश्वर, कपिलेश्वर मन्दिर में श्रद्धालु जुटे। काकड़ीघाट स्थित कर्कटेश्वर मन्दिर, रामनगर, हल्द्वानी, कालाढूंगी के तमाम नये-पुराने मन्दिरों में सावन पूजन जारी है।

मदकोट में मंदाकिनी रौद्र बनी

मदकोट। पंचाचूली क्षेत्र से निकल कर मदकोट में गारी नदी में मिलने वाली मन्दाकिनी का रौद्र रूप बरसात में दिखाई दिया। नदी से कटाव रोकने के लिये करोड़ों की लागत से सौ मीटर पर बने तटबन्ध बह गए। भौराबगड़ और देवीबगड़ में हो रहे कटाव से 26 परिवार खतरे की जद में आ गये, जिन्हें प्रशासन ने सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिये। विधायक हरीश धामी और जिलाधिकारी रीना जोशी ने आपदा प्रभावित क्षेत्र का दौरा करने के बाद सुरक्षा दीवार बनाने के निर्देश दिए।

गंगोत्री राजमार्ग में यात्री फंसे

उत्तरकाशी। भारी वर्षा के कारण चारधाम यात्रा की यात्रा की दुश्वारियां जारी हैं। गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर विशनपुर के पास भूस्खलन होने से 500 से ज्यादा कांवड़ यात्री फंस गये, जिन्हें प्रशासन ने अस्थायी मार्ग बनाकर निकाला। भटवाड़ी क्षेत्र में भूस्खलन से नेताल, मनेरी, ओंगी व विशनपुर में राजमार्ग अवरुद्ध हो रहा है। ऐसे में कांवड़ यात्रियों को सतर्कता के लिये कहा गया है।

गौरीकुंड राजमार्ग में भूस्खलन

रुद्रप्रयाग। गौरीकुण्ड राष्ट्रीय राजमार्ग डोलिया देवी के पास भूस्खलन होने से मार्ग बार-बार बाधित हो रहा है। जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिले में सात लिंक मोटर मार्ग मलबा आने से अवरुद्ध चल रहे हैं। इस कारण 15 गाँवों का सम्पर्क जिला मुख्यालय से कटा हुआ है। वर्षा से गोरीकुण्ड राजमार्ग बार-बार बाधित हो रहा है।

पातालगंगा में नया स्लाइड जोन

जोशीमठ। राष्ट्रीय राजमार्ग पर पिछले 6 दशक से नासूर बन चुके टंगणी पागल नाला आए दिन अवरुद्ध हो रहा था, अब पातालगंगा में भी एक नया स्लाइड जोन तैयार होने से यह क्षेत्र खतरनाक हो चुका है। यहाँ चट्टान टूटने व मार्ग मार्ग अवरुद्ध होने के कारण बद्रीनाथ व हेमकुण्ड साहिब-लोकपाल के तीर्थ यात्रियों, स्थानीय लोगों, अर्द्धसैनिक बलों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

भारी बरसात से समकोट मकान गिरा

मुनस्यारी। तहसील के समकोट में भारी बारिश के कारण आवासीय भवन गिर गया। पीड़ित परिवार ने पड़ोसियों के वहाँ शरण ली है। बारिश के कारण चंचल सिंह का मकान भरभरा के गिर पड़ा, उस समय मकान में कोई नहीं था। मकान में रखा सामान का नुकसान इसमें हुआ। घर में काफी मलबा घुसा हुआ है। पीड़ित परिवार ने शासन से मुआवजे की मांग की है।

टनकपुर में बाढ़ प्रभावितों का दुःख

भारी बरसात से टनकपुर के कई मोहल्लों में जलभराव से काफी नुकसान हुआ है। शारदा नदी से लगे क्षेत्र में सुरक्षा के लिये लोगों को हटाया जा चुका है। छीनीगोठ गाँव में बाढ़ से उजड़ चुके 17 परिवारों में भारी विपत्ती आ चुकी है। प्रभावितों को सहायता राशि वितरित हुई है लेकिन इस मौसम में रहने-खाने के अलावा भविष्य की चिन्ता सता रही है।

नाचनी में भूस्खलन से खतरा

थल। नाचनी में उफनाई रामगंगा से शिव मन्दिर परिसर में स्थित पौराणिक देवी मन्दिर तक कटाव हो चुका है। मन्दिर समिति के अध्यक्ष कुन्दन सिंह बथियाल ने बताया है कि मन्दिर परिसर से आगे रामगंगा किनारे 600 मीटर क्षेत्र में तटबन्ध बनाए लेकिन परिसर से 100 मीटर भुजगड़ संगम तक का क्षेत्र छोड़ दिया गया था। उधर झकेला गाँव में जमीन दरकने से 5 मकान खतरे की जद में हैं।

पूर्णागिरी पैदल मार्ग पर मलबा

टनकपुर। बारिश के बीच पूर्णागिरी धाम के पैदल मार्ग पर जगह-जगह मलबा आना जारी है। सिद्ध मोड़ के बाद कटौजिया के पास भी मलबा आ रहा है। लोनिवि द्वारा मलबा हटाया जा रहा है लेकिन बरसात के कारण अवरोध कभी भी बन सकता है।

घाट-टनकपुर मार्ग पर मलबा

चम्पावत। टनकपुर-घाट राष्ट्रीय राजमार्ग पर 118 किमी के दायरे में चार दर्जन स्थानों पर पहाड़ी दरकने से मलबा गिर रहा है। एनएच में स्वाला, धौंन, बनलेख, कठौल, तिलौन इत्यादि स्थानों पर 30 से 40 मीटर तक सम्वेदनशील स्थल उभर चुके हैं।

बलियानाले से खतरा बना

नैनीताल। बलियानाले से आलूखेत और निचले इलाकों पर खतरा बना हुआ है। इस बारिश में चायना पिक को जोड़ने वाला वीरभट्टी पुल के नीचे कटाव से साफ खतरा दिखाई दे रहा है। क्षेत्रवासी सिंचाई विभाग से कार्यवाही की मांग की है। क्योंकि इस पुल के कारण नैनीताल हल्द्वानी रोड पर भी संकट हो सकता है। पुल के नीचे कटाव से आसपास के इलाकों में दूर तक इसका प्रभाव होगा। बताते चलें कि बलियानाले में कटाव को देखते हुए सिंचाई विभाग ने रोकथाम में लिये 2017 में कायम किया था लेकिन वह पानी के साथ बह गया।

यमुनोत्री धाम में बादल फटने से नुकसान

उत्तरकाशी। यमुनोत्री धाम में बादल फटने से भारी नुकसान हुआ है। डीएम के निर्देश पर तहसीलदार बड़कोट के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम जानकी चट्टी पहुँची। एसडीआरएफ, पुलिस तथा प्रशासन के कार्मिकों ने जानकीचट्टी क्षेत्र में नदी के तटवर्ती क्षेत्र के भवनों को रात में ही खाली कराकर प्रभावित लोगों को सुरक्षित जगह पहुँचा दिया था। यमुना नदी के आस पास के किनारे राणा चट्टी, हुनमान चट्टी, स्याना चट्टी, पाली गाड़ में लोगों को सतर्क किया गया है।

कपकोट में आफत मची दुगनाकुरी में मंदिर ध्वस्त

बागेश्वर। मूसलाधार बारिश से कपकोट के बड़ी पन्याली व बैकोड़ी गाँव में आफत मच गई। बड़ी पन्याली में चार मकान ध्वस्त हो गये। दुगनाकुरी के बैकोड़ी में गधेरा उफनाने से प्राचीन नरसिंह मन्दिर ध्वस्त हो गया। कृषि भूमि मलबे से पट गई।

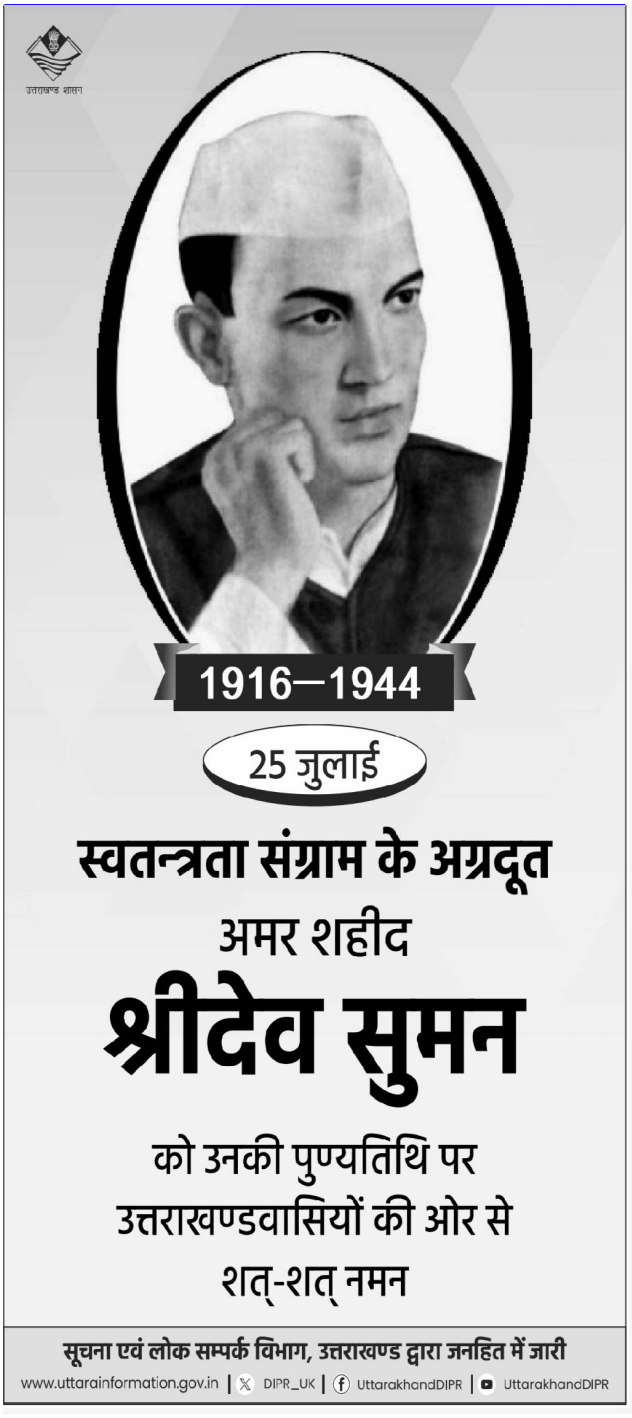

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क
7351285555
नरेन्द्र सिंह रावत

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत
होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
www.mountainheights.in
मो. 9760007148

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल
भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स, बच्चीनगर- १, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236 8958525979, 9411134775

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House-
Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From
Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

श्रावण मास के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

डा.मंगल सिंह
मर्तोलिया
(निकट- सयाना भवन)
जोहार नगर
हल्द्वानी

खजान गुड्डू
पूर्व दर्जा मंत्री
उत्तराखण्ड सरकार
गंगोलीहाट

कल्याण सिंह
धानिक
सामाजिक कार्यकर्ता
कुंजनपुर
गंगोलीहाट

किशन उप्रेती
सामाजिक कार्यकर्ता
कुंजनपुर
गंगोलीहाट

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल
9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)